पूर्ण गरिमा, भव्यता और दिव्यता के साथ हो 'वननेस स्टैच्यू' अनावरण कार्यक्रम : चौहान

ब्रह्मोत्सव में होगा पांच हजार संत, मनीषियों और विशिष्टजन का समागम, मुख्यमंत्री ने की तैयारियों की समीक्षा

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 21 सितम्बर को ओंकारेश्वर में हो रहा 'स्टैच्यु ऑफ वननेस' का अनावरण कार्यक्रम पूर्ण गरिमा, भव्यता और दिव्यता के साथ किया जाए। कार्यक्रम में शामिल होने वाले देश के सभी प्रमुख साधु-संतों का परंपरागत स्वागत-सत्कार किया जाए।

वर्षा ऋतु को देखते हुए आयोजन स्थल तथा यातायात व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन विशेष रूप से संवेदनशील और सतर्क रहे तथा बिन्दुवार प्लानिंग करें। श्री चौहान कार्यालय भवन समत्व में ओंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम में एकात्मता की मूर्ति के अनावरण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। संस्कृति मंत्री सुश्री ऊषा ठाकुर, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस बैठक में वर्चुअली शामिल हुए। समत्व भवन में अपर मुख्य सचिव कृषि अशोक वर्णवाल, प्रमुख सचिव संस्कृति शिवशेखर शुक्ला, प्रमुख सचिव ऊर्जा संजय दुबे तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक से इन्दौर संभागायुक्त तथा खण्डवा कलेक्टर वर्चुअली जुड़े।

केरल की धार्मिक परम्पराओं के अनुसार होगा साधु-संत का स्वागत

मुख्यमंत्री 21 सितम्बर को प्रातः 11 बजे केरल की धार्मिक परम्पराओं अनुसार साधु-संतों का स्वागत करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री और पूज्य संतों द्वारा वैदिक यज्ञ अनुष्ठान में आहुति दी जाएगी। इस अवसर पर देशभर की शैव परंपरा के नृत्यों की प्रस्तुतियों के साथ ही भारतीय प्रदर्शनकारी शैलियों के कलाकारों द्वारा आचार्य प्रवर्तित पंचायतन पूजा परंपरा का प्रस्तुतिकरण होगा। श्री चौहान तथा पूज्य संतों द्वारा एकात्मता की मूर्ति के अनावरण और अद्वैत लोक का भूमि एवं शिला-पूजन किया जाएगा। कुल 101 बटुकों द्वारा वेदोच्चार व शंखनाद के बीच श्री चौहान और पूज्य संत एकात्मता की मूर्ति के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री, संतगण और विशिष्टजन सहित ब्रह्मोत्सव के लिए प्रस्थान करेंगे। जानकारी दी गई कि सिद्धवरकूट पर ब्रह्मोत्सव होगा। इसमें शंकर संगीत वेदोच्चार, आचार्य शंकर के स्त्रोतों पर एकाग्र समवेत नृत्य प्रस्तुति 'शिवोहम' तथा आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास द्वारा प्रकाशित 'एकात्म धाम' और अद्वैत युवा जागरण शिविर आधारित पुस्तकों का विमोचन किया जाएगा। 'एकात्मता की यात्रा' फिल्म का प्रदर्शन भी होगा। ब्रह्मोत्सव में दोपहर को संत विमर्श और मुख्यमंत्री का संबोधन होगा। ब्रह्मोत्सव में लगभग 5 हजार संत-मनीषियों और विशिष्टजनों का समागम होगा।

वैदिक आर्चकों द्वारा किया जा रहा है हवन

मूर्ति अनावरण से पहले मान्धाता पर्वत पर उत्तरकाशी के स्वामी ब्रहोन्द्रानन्द तथा

32 संन्यासियों द्वारा प्रस्थानत्रय भाष्य पारायण और दक्षिणाम्नाय श्रृंगेरी शारदापीठ के मार्गदर्शन में देश के लगभग 300 विख्यात वैदिक आर्चकों द्वारा वैदिक रीति पूजन तथा 21 कुंडीय हवन किया जा रहा है। स्टैच्यु ऑफ वननेस का अनावरण और अद्वैत लोक का भूमि एवं शिला-पूजन दक्षिणाम्नाय श्रृंगेरी शारदापीठ के मार्गदर्शन में होगा।

राजधानी में पहली मेट्रो ट्रेन का हुआ आगमन

मेट्रो के कोच सुभाष नगर डिपो में किए अनलोड, इसी माह होगा ट्रायल रन

भोपाल (काप्र)।

राजधानी में ऑरेंज रंग के मेट्रो के तीन कोच को सोमवार को क्रेन से सुभाष नगर डिपो में अनलोड किया गया। अब इन कोच को आपस में जोडक़र पहले डिपो में सेफ्टी ट्रायल किया जाएगा। इसके बाद सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बीच मेट्रो को ट्रायल रन शुरू होगा।

गुजरात के बडोदरा से 100 से अधिक पहिए वाले ट्रालों से तीनों कोचों को लाया गया। देर रात कोच को सुभाष नगर डिपो में पहुंचाया गया। यहां पर डायरेक्टर शोभित टंडन ने कोच की पूजा अर्चना की। इसके बाद बड़ी क्रेन से कोच को अनलोड कर ट्रेक पर रखा गया। यहां पर तीनों कोच को अब आपस में जोड़ा जाएगा। जिसके बाद सेफ्टी ट्रायल के तहत एक से दो किमी की रफ्तार से चलाया जाएगा। सब कुछ

ठीक होने पर कोच को ऊपर ट्रेक पर चढ़ाया जाएगा। यहां भी कोच को धीमी रफ्तार पर चलाया जाएगा। मेट्रो के ट्रायल शुरू कर दिया जाएगा। यह ट्रायल पांच से छह माह तक चलेगा। इसमें मेट्रो को सिंगल, टाइमिंग और स्पीड के साथ चलाया जाएगा। भोपाल में सुभाष नगर से रानी कमलापति मेट्रो स्टेशन के बाद ट्रायल रन होगा। इसके बाद रेलवे सेफ्टी कमिश्नर की तरफ से अनुमति मिलने पर मई-जून में जनता मेट्रो की सवारी कर सकेंगी। बता दें इंदौर में मेट्रो कोच 31 को ही आ चुके है। यहां पर सेफ्टी ट्रायल हो चुका है। अब मुख्यमंत्री का समय मिलते ही ट्रायल रन शुरू हो सकता है।

भोपाल में 23 को पथ-विक्रेता महासम्मेलन

सभी नगरीय निकाय और पंचायतें वर्चुअली जुड़ेंगी

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 23 सितंबर को भोपाल में प्रदेश के पथ-विक्रेताओं का महासम्मेलन होगा, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के पथ विक्रेता शामिल होंगे।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम से सभी 413 नगरीय निकाय और समस्त ग्राम पंचायतें वर्चुअली जुड़ेंगी। मुख्यमंत्री महासम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। श्री चौहान ने कहा कि पथ-विक्रेता स्थानीय अर्थ-व्यवस्था के प्रभावी अंग हैं, उन्हें हरसंभव सहयोग और प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए राज्य शासन प्रतिबद्ध है। महासम्मेलन में पथ-विक्रेताओं से चर्चा होगी। चर्चा में वे अपने अनुभव तथा सफलता की कहानियाँ प्रदेश के अन्य पथ-विक्रेताओं से अवश्य साझा करें। गोविंदपुरा स्थित दशहरा मैदान में पथ-विक्रेता महासम्मेलन होगा। मुख्यमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री स्व-निधि और मुख्यमंत्री स्व-निधि के हितग्राहियों को हित लाभ वितरित किए जाएंगे। आयोजन स्थल पर पीएम स्व-निधि व सीएम स्व-निधि के स्टॉल भी लगेंगे। महासम्मेलन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह शामिल होंगे। बैठक में अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास मलय श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास नीरज मंडलोई तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्वतंत्रता सेनानी राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर श्रद्धा सुमन अर्पित

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्ष 1857 के अमर बलिदानी स्वतंत्रता सेनानी राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर उन्हें नमन किया। उन्होंने निवास स्थित सभागार में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह ने वर्ष 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में जबलपुर क्षेत्र में सैनिकों को क्रांति में भाग लेने के लिए प्रेरित किया था। राजा, उनके पुत्र और अनुयायियों सहित 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया। राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह को 18 सितम्बर 1857 को मृत्यु-दण्ड दिया गया।

मुख्यमंत्री चौहान कल उज्जैन में करेंगे प्रदेशव्यापी रोजगार दिवस का शुभारंभ

तीन लाख युवाओं को स्व-रोजगार से जोड़ा जाएगा, 2300 करोड़ का होगा ऋण वितरण

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 20 सितम्बर को उज्जैन में प्रदेशव्यापी रोजगार दिवस का शुभारंभ करेंगे। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में विभिन्न स्वरोजगार योजनाएं के 3 लाख से अधिक युवाओं को 2300 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण वितरण कर स्व-रोजगार से जोड़ा जाएगा।

श्री चौहान विभिन्न जिलों की 1708 एमएसएमई इकाइयों और 10 करोड़ से 50 करोड़ की निवेश वाली 43 इकाइयों का लोकार्पण भी करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा 307 एमएसएमई इकाइयों का भूमि-पूजन और 17 क्लस्टर व 26 विभागीय औद्योगिक क्षेत्रों का भूमि-पूजन तथा लोकार्पण किया जाएगा। इन परियोजनाओं से 71 हजार से अधिक व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त होगा। श्री चौहान महाकाल लोक परिसर में उज्जैन स्मार्ट सिटी द्वारा 11 करोड़ 9 लाख रूपए की लागत से निर्मित मेघदूत पार्किंग तथा 27 करोड़ की लागत से श्रीमहाकाल मंदिर प्रबंध समिति द्वारा निर्मित अन्न क्षेत्र का लोकार्पण करेंगे। मंदिर समिति द्वारा 500 करोड़ की लागत से बनाये जाने वाले भक्त निवास और 17 करोड़ रूपये से बनने वाले फेसिलिटी सेंटर का भूमि-पूजन भी होगा।

श्री चौहान ने समत्व भवन में आयोजित बैठक में रोजगार दिवस के लिए जारी तैयारियों की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी जिले कार्यक्रम से जुड़ें और सफल उद्यमियों व स्व-रोजगार में लगे युवाओं के अनुभवों को प्रदेश के अन्य उद्यमियों और युवाओं से साझा करने की व्यवस्था की जाये। यह गतिविधि युवाओं के लिए प्रेरक और मार्गदर्शक सिद्ध होगी।

गुलमोहर के पौधे रोपे

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में बेलपत्र, बरगद और गुलमोहर के पौधे रोपे। उनके साथ अमन पटेल और श्रीराज चौहान ने भी अपने जन्म-दिवस पर पौध-रोपण किया। सुमित चौहान, अनुभव चौहान, केदार सिंह चौहान, विजय गुर्जर, अजय सिंह, रामप्रसाद चौधरी और गोपाल पवार साथ थे। स्टेट प्रेस क्लब इन्दौर के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल ने भी पौधे रोपे।

मुख्यमंत्री 26 को महिला समूहों को वितरित करेंगे स्कूटी

भोपाल(काप्र)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 26 सितम्बर को जम्बूरी मैदान में महिला स्व-सहायता समूहों के सम्मेलन में समूहों को 1400 स्कूटी वितरित करेंगे। भोपाल के आस-पास के 5 जिलों के संकुल स्तरीय संगठनों को 50 स्कूटी राज्य स्तरीय सम्मेलन और सतना, बालाघाट, सागर, छिंदवाड़ा और शिवपुरी जिलों के सीएलएफ को ऑनलाइन स्कूटी वितरित की जाएंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान महिला हितग्राहियों को बैंक ऋण के चेक भी प्रदान करेंगे। सम्मेलन में महिला स्व-सहायता समूह के लगभग 50 हजार सदस्य भाग लेंगे। मुख्यमंत्री ने समत्व भवन में हुई बैठक में आयोजन की तैयारियों की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। श्री चौहान ने कहा कि महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित गतिविधियों से कई दीदियाँ लखपति बनी हैं। यह दीदियाँ अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत हो सकती हैं। लखपति दीदियों को अपने अनुभव लोगों को बताने तथा अपने आस-पास की महिलाओं का मार्गदर्शन करने के लिए उचित मंच प्रदान करना आवश्यक है। इससे महिलाओं को जीवन में कुछ करने और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा बनाई गई सामग्री को लोगों के सामने लाने और उसकी बेहतर मार्केटिंग के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। प्रदेश की महिलाओं की उद्यमशीलता का संदेश पूरे देश में जाना चाहिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास मलय श्रीवास्तव सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश के प्रारंभिक शिक्षा के लिए संचालित छात्रावासों की रैंकिंग में सीहोर जिला अव्वल

छात्रावासों के शैक्षिक प्रदर्शन को बेहतर बनाना शासन की प्राथमिकता : धनराजू एस

भोपाल (काप्र)।

राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा आज यूट्यूब लाइव कार्यक्रम में प्रदेश में प्रारंभिक शिक्षा के लिए संचालित छात्रावासों की सत्र 2022-23 की रैंकिंग जारी की गई। इसमें सीहोर जिले ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, वहीं अलीराजपुर जिले के ग्राम जोहट का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, छात्रावास प्रथम स्थान पर है।

संचालक, राज्य शिक्षा केंद्र धनराजू एस ने बताया कि छात्रावासों के शैक्षिक प्रदर्शन को बेहतर बनाना शासन की प्राथमिकता है। इस रैंकिंग प्रणाली को विकसित करने का मुख्य उद्देश्य रहवासी सुविधाओं के साथ छात्रावासों में अध्ययन-अध्यापन की बेहतर व्यवस्थाओं हेतु स्वस्थ प्रतिस्पर्धा जागृत करना है। श्री धनराजू ने बताया कि छात्रावासों के प्रदर्शन एवं कार्यक्षमता के मानकों पर रैंकिंग जारी की गई है। रैंकिंग में स्वीकृत छात्रावासों की कार्यक्षमता के लिए 20 अंक, स्वीकृत सीटों पर नामांकन के लिए 20 अंक, छात्रावासी बच्चों के राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति में प्रदर्शन के लिए 20 अंक, ओलंपियाड में प्रदर्शन के लिए 20 अंक एवं वार्षिक परीक्षा परिणाम के लिए 20 अंक निर्धारित किए गए हैं। इस तरह कुल 100 अंकों में यह रैंकिंग तैयार की गई है।

कार्यक्षमता एवं प्रदर्शन के आधार पर जारी रैंकिंग के अनुसार सीहोर जिले ने प्रदेश भर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, वहीं रायसेन, देवास, डिंडोरी, मंडला, छिंदवाड़ा, अलीराजपुर, बड़वानी, इंदौर एवं धार क्रमशः प्रथम दस शीर्ष जिलों में हैं। इसके साथ ही प्रदेश भर के छात्रावासों की छात्रावासवा भी रैंकिंग जारी की गई है। यह रिपोर्ट एम.पी. एज्युकेशन पोर्टल पर भी उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मुख्यमंत्री निवास पहुँचकर सौजन्य भेंट की।

स्पेशल खबर 10वें विज्ञान मेले में ...

एमपी ट्रांसको के स्टाल को मिला द्वितीय पुरस्कार

भोपाल (काप्र)।

राजधानी के भेल स्थित दशहरा मैदान में आयोजित चार दिवसीय राज्य स्तरीय विज्ञान मेले में आकर्षण का केन्द्र बने एमपी ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) के विविध जानकारियों से भरपूर स्टाल को सरकारी क्षेत्र के स्टॉल की श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

एमपी ट्रांसको की ओर से अधीक्षण अभियंता एसके दुबे, राजेश शांडिल्य, डीएस बिसेन, आरसी शर्मा, कार्यपालन अभियंता अतुल नाबर, एके श्रीवास्तव, सहायक अभियंता आशीष जैन ने राज्य स्तरीय विज्ञान मेले के समापन अवसर पर यह पुरस्कार प्राप्त

किया। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने एमपी ट्रांसको को विज्ञान मेले में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त होने पर बधाई दी है। मेले में भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं विशेषकर इंजीनियरिंग विद्यार्थियों ने विशेष उत्साह दिखाया। एम.पी. ट्रांसको के अधिकारियों ने उन्हें संबंधित तकनीकी जानकारी के साथ मध्यप्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क और कार्यशैली के बारे में बताया। एम.पी. ट्रांसको ने ट्रांसमिशन लाइनों के मॉडल के साथ गैस इंसूलेटेड सबस्टेशन, ऑप्टिकल फाइबर केबल्स, वर्किंग मॉडल ऑफ़ ऑप्टिकल फाइबर, ऑनलाइन स्काडा, ऑनलाइन कैमरा डिस्प्ले आफ जी आई एस सबस्टेशन, फॉल्ट लोकेटर, परंपरागत एयर इंसुलेटेड सबस्टेशन के साथ मल्टी सर्किट ट्रांसमिशन लाइनों और सबस्टेशनों में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न उपकरणों को मेले में मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया। इसके अलावा विभिन्न ग्राफिक्स, पोस्टर आदि के माध्यम से एम.पी. ट्रांसको की उपलब्धियों और विविध जानकारियों को भी प्रदर्शित किया गया।

बाँधों और जलाशयों में सामान्य जलभराव की स्थिति : सिलावट

भोपाल (काप्र)।

जल-संसाधन मंत्री तुलसी राम सिलावट ने बताया है कि विगत वर्ष की तुलना में प्रदेश के बाँधों और जलाशयों में जल-भराव की स्थिति सामान्य है एवं पूर्व वर्ष के लगभग बराबर है।

प्रदेश में इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा की स्थिति थी, परंतु पिछले कुछ दिनों में निरंतर बारिश के उपरांत स्थिति सामान्य हो गई है। इस वर्षा ऋतु में आज दिनांक तक 903.20 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष यह 909.80 मिमी थी।श्री सिलावट ने बताया कि प्रदेश के 52 प्रमुख बाँधों और जलाशयों में से 6 में शत-प्रश, 29 में 75 से 100 प्रश, 10 में 50 से 75 प्रश तथा 7 में 50 प्रश से कम जलभराव हुआ है। बरगी, बारना, बिलगाँव, देजला, इंदिरा सागर, तवा, गाँधी सागर, टिल्लर, बान सुजारा, पगरा, राजघाट, आवदा, कोटवाल, पेंच, थनवार, संजय सरोवर, धोलावड़, माही, पारसदोह बाँध/जलाशयों में 90 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक जलभराव हो चुका है। बारह बाँधों बरगी (3 गेट), इंदिरा सागर (20), ओंकारेश्वर (22), गाँधी सागर (10), बान सुजारा (01), पगरा (01), पवई (01), पेंच (02), धोलावड़ (02), माही मेजर (02) और माही सब्सिडरी (01) और पारसदोह (01 गेट) के गेट खोले गये हैं।